जो कान्हा तेरी मुरली बजती कुंज वन में भजन लिरिक्स

जो कान्हा तेरी मुरली,
बजती कुंज वन में,
हलचल सी मचती है,
धड़कन बढ़ती मन में।bd।

मुरली को होंठों से,
जब श्याम लगाते हो,
पीड़ा पल पल बढ़ती,
जब तान सुनाते हो,
ये काया तो घर रहती,
आता मन है वन में,
हलचल सी मचती है,
धड़कन बढ़ती मन में।bd।

तुम तो वन में जाकर,
निज गाय चराते हो,
हम काम करे घर का,
उस समय बुलाते हो,
एक कसम सी होती है,
उलझन होती तन में,
हलचल सी मचती है,
धड़कन बढ़ती मन में।bd।

बेदर्द कहूं तुमको,
या मुरली को सौतन,
तुम दोनों की संधि,
कर दे हमको जोगन,
'प्रेम संतोष' दर्शन का प्यासा,
गाये 'डिम्पल' धुन में,
Bhajan Diary Lyrics,
हलचल सी मचती है,
धड़कन बढ़ती मन में।bd।

जो कान्हा तेरी मुरली,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बजती कुंज वन में,
हलचल सी मचती है,
धड़कन बढ़ती मन में।bd।

Singer – Dimpal Bhumi
Tabla – Ramdhyan Gupta

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com